कन्हैया दौड़े आते हैं | by Mukesh Bagda

अपने भगत की आँख में आंसू देख ना पाते हैं
कन्हैया दौड़े आते हैं, श्याम मेरे दौड़े आते हैं
दौड़े आते हैं , श्याम मेरे दौड़े आते हैं
कन्हैया दौड़े आते हैं, श्याम मेरे दौड़े आते हैं

जहाँ में शोर ऐसा नहीं कोई श्याम जैसा
जहाँ के मालिक हैं ये, सभी से वाक़िफ़ हैं ये
धर्म पताका निज हाथों से प्रभु फहराते हैं
कन्हैया दौड़े आते हैं, श्याम मेरे दौड़े आते हैं
दौड़े आते हैं , श्याम मेरे दौड़े आते हैं
कन्हैया दौड़े आते हैं, श्याम मेरे दौड़े आते हैं

गए जो भूल इनको, धीर नहीं उनके मन को
तिजोरी लाख भरी हो मोटरें महल खड़ी हों
हीरे मोती से मेरे भगवन नहीं ललचाते हैं
कन्हैया दौड़े आते हैं, श्याम मेरे दौड़े आते हैं
दौड़े आते हैं , श्याम मेरे दौड़े आते हैं
कन्हैया दौड़े आते हैं, श्याम मेरे दौड़े आते हैं

याद कर गज की गाथा, पार्थ के रथ के हांका
दीन पांचाली हारी, बढ़ा दी उसकी साडी
ध्रुव नरसी प्रह्लाद और मीरा टेर लगाते हैं
कन्हैया दौड़े आते हैं, श्याम मेरे दौड़े आते हैं
दौड़े आते हैं , श्याम मेरे दौड़े आते हैं
कन्हैया दौड़े आते हैं, श्याम मेरे दौड़े आते हैं

प्रभु से मिलना चाहो प्रेम से हरी गुण गाओ
बनो श्री श्याम दीवाना प्रेम प्रभु का जो पाना
नंदू भगवन भक्त के सारे काम पटाते हैं
कन्हैया दौड़े आते हैं, श्याम मेरे दौड़े आते हैं
दौड़े आते हैं , श्याम मेरे दौड़े आते हैं
कन्हैया दौड़े आते हैं, श्याम मेरे दौड़े आते हैं

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a5%88%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%a6%e0%a5%8c%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a5%87-%e0%a4%86%e0%a4%a4%e0%a5%87-%e0%a4%b9%e0%a5%88%e0%a4%82-by-mukesh-bagda/